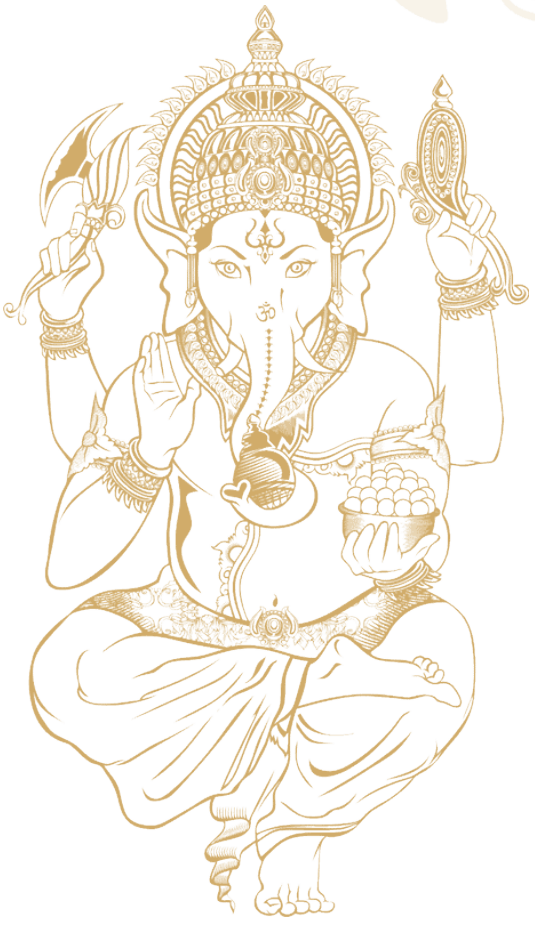

Mr. Shani rss

30 Apr 1994

03:10 PM

Jaunpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120641613

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/04/1994**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:10:00 घंटे**
इष्ट	24:24:59 घटी
स्थान	**Jaunpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:44:00 उत्तर
रेखांश	82:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:10:44 घंटे
वेलान्तर	00:02:44 घंटे
साम्पातिक काल	05:43:09 घंटे
सूर्योदय	05:24:00 घंटे
सूर्यास्त	18:29:30 घंटे
दिनमान	13:05:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:02:11 मेष
लग्न के अंश	02:25:25 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:25:25	325:19:48	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			मेष	16:02:11	00:58:15	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	उच्च राशि
चंद्र			धनु	18:48:42	13:47:58	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			मीन	18:19:11	00:46:07	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	मेष	16:00:12	02:08:50	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		तुला	16:00:06	00:07:39	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	11:15:12	01:12:57	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	स्वराशि
शनि			कुंभ	16:20:50	00:04:49	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	00:05:02	00:01:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			वृष	00:05:02	00:01:07	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
हर्ष			मक	02:33:44	00:00:02	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	29:33:43	00:00:10	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	03:23:12	00:01:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मिथु	02:21:18	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:53

लग्न-चलित

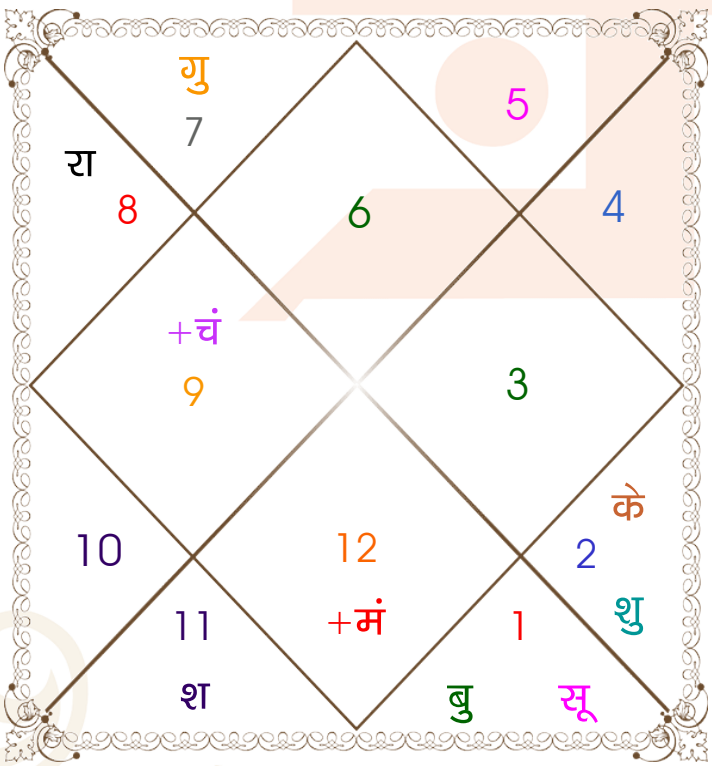

चन्द्र कुंडली

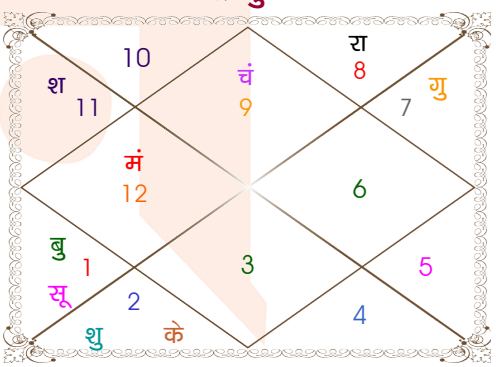

नवमांश कुंडली

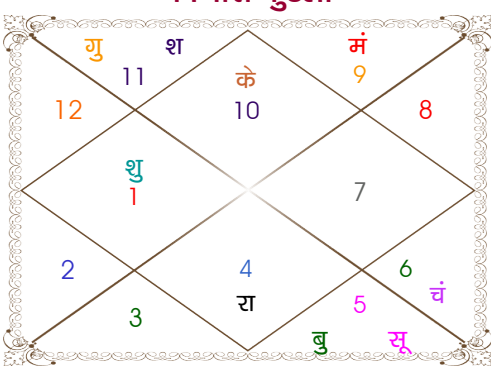

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 9 मास 11 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
30/04/1994		10/02/2006		10/02/2012		10/02/2022		09/02/2029	
10/02/2006		10/02/2012		10/02/2022		09/02/2029		10/02/2047	
	00/00/0000	सूर्य	30/05/2006	चंद्र	10/12/2012	मंगल	09/07/2022	राहु	24/10/2031
	00/00/0000	चंद्र	29/11/2006	मंगल	12/07/2013	राहु	27/07/2023	गुरु	18/03/2034
	00/00/0000	मंगल	06/04/2007	राहु	10/01/2015	गुरु	02/07/2024	शनि	22/01/2037
	30/04/1994	राहु	28/02/2008	गुरु	11/05/2016	शनि	11/08/2025	बुध	11/08/2039
राहु	11/04/1996	गुरु	17/12/2008	शनि	11/12/2017	बुध	08/08/2026	केतु	29/08/2040
गुरु	11/12/1998	शनि	29/11/2009	बुध	12/05/2019	केतु	04/01/2027	शुक्र	30/08/2043
शनि	10/02/2002	बुध	05/10/2010	केतु	11/12/2019	शुक्र	05/03/2028	सूर्य	23/07/2044
बुध	10/12/2004	केतु	10/02/2011	शुक्र	11/08/2021	सूर्य	11/07/2028	चंद्र	22/01/2046
केतु	10/02/2006	शुक्र	10/02/2012	सूर्य	10/02/2022	चंद्र	09/02/2029	मंगल	10/02/2047

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/02/2047		10/02/2063		10/02/2082		10/02/2099		11/02/2106	
10/02/2063		10/02/2082		10/02/2099		11/02/2106		00/00/0000	
गुरु	30/03/2049	शनि	13/02/2066	बुध	08/07/2084	केतु	09/07/2099	शुक्र	12/06/2109
शनि	11/10/2051	बुध	23/10/2068	केतु	05/07/2085	शुक्र	08/09/2100	सूर्य	12/06/2110
बुध	16/01/2054	केतु	02/12/2069	शुक्र	05/05/2088	सूर्य	14/01/2101	चंद्र	11/02/2112
केतु	23/12/2054	शुक्र	31/01/2073	सूर्य	12/03/2089	चंद्र	15/08/2101	मंगल	12/04/2113
शुक्र	23/08/2057	सूर्य	13/01/2074	चंद्र	11/08/2090	मंगल	11/01/2102	राहु	01/05/2114
सूर्य	11/06/2058	चंद्र	15/08/2075	मंगल	08/08/2091	राहु	30/01/2103		00/00/0000
चंद्र	11/10/2059	मंगल	22/09/2076	राहु	25/02/2094	गुरु	06/01/2104		00/00/0000
मंगल	16/09/2060	राहु	30/07/2079	गुरु	02/06/2096	शनि	13/02/2105		00/00/0000
राहु	10/02/2063	गुरु	10/02/2082	शनि	10/02/2099	बुध	11/02/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 10 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।